

मिशन सागर की समयरेखा

मिशन सागर 5 के तहत, भारतीय नौसेना के जहाज केसरी ने हाल ही में मापुटो, मोजाम्बिक के बंदरगाह में प्रवेश किया है।

हिंद महासागर के देशों को आवश्यक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से, मई 2020 में भारत सरकार द्वारा **मिशन सागर** के नाम से एक COVID-19 राहत मिशन शुरू किया गया था। मिशन सागर हिंद महासागर क्षेत्र (Indian Ocean Region- IOR) के देशों के साथ भारत के विदेशी संबंधों को मजबूत करने में यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो **'सागर***- क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास'** के अनुरूप है।

*****सागर - क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (SAGAR-Security and growth for all in the region)** - यह हिंद महासागर के लिए भारत की रणनीतिक योजना है, जिसका 2015 में अनावरण किया गया था। सागर के माध्यम से, भारत अपने समुद्री पड़ोसियों के साथ आर्थिक और सुरक्षा सहयोग को गहरा करना चाहता है और उनकी समुद्री सुरक्षा क्षमताओं के निर्माण में सहायता करना चाहता है। इसके लिए भारत सूचनाओं के आदान-प्रदान, तटीय निगरानी, बुनियादी ढांचे के निर्माण और उनकी क्षमताओं को मजबूत करने में सहयोग करेगा। इसके अलावा, भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना चाहता है और हिंद महासागर क्षेत्र को समावेशी, सहयोगी और अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करना सुनिश्चित करना चाहता है। **SAGAR और Mission Sagar दो अलग-अलग प्रयास हैं।**

2020 का मिशन सागर इसी अवधारणा के अनुरूप है। मिशन की समय-सीमा कुछ इस प्रकार है:

- **मिशन सागर 1-** भारत ने मई 2020 में आईएनएस केसरी (INS Kesari) को खाद्य पदार्थों, दवाओं और चिकित्सा सहायता टीमों के साथ मॉरीशस, सेशेल्स, मेडागास्कर, कोमोरोस और ला रीयूनियन भेजा। मॉरीशस, मेडागास्कर, कोमोरोस, सेशेल्स और ला रीयूनियन हिंद महासागर आयोग (IOC)*** का हिस्सा हैं। भारत भी मार्च 2020 में आयोग का पर्यवेक्षक बन गया।



***Indian Ocean Commission (IOC) - हिंद महासागर आयोग (IOC) 1984 में पश्चिमी हिंद महासागर द्वीपों के हितों की रक्षा के लिए बनाया गया एक अंतर सरकारी निकाय है। इसमें मेडागास्कर, कोमोरोस, ला रीयूनियन (फ्रांसीसी विदेशी क्षेत्र), मॉरीशस और सेशेल्स शामिल हैं। आयोग के सात पर्यवेक्षक (observer) हैं - भारत, जापान, संयुक्त राष्ट्र, चीन, यूरोपीय संघ (ईयू), माल्टा और अंतर्राष्ट्रीय संगठन ला फ्रैंकोफोनी (ओआईएफ)।

- **मिशन सागर 2** – नवंबर 2020 में, आईएनएस ऐरावत ने सूडान, दक्षिण सूडान, जिबूती और इरिट्रिया को भोजन पहुंचाया।



- **मिशन सागर 3-** दिसंबर 2020 में, आईएनएस किल्टन ने वियतनाम और कंबोडिया में विनाशकारी बाढ़ के बाद आपदा राहत के लिए 15 टन मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR) लेकर कंबोडिया (सिहानोकविले पोर्ट) और वियतनाम की ओर अपना रास्ता बनाया।



- **मिशन सागर 4-** मार्च 2021 में, आईएनएस जलाश्व 1000 मीट्रिक टन चावल लेकर पोर्ट अंजुआन, कोमोरोस पहुंचा। *its promise of excellence*



- मिशन सागर 5 के तहत, भारतीय नौसेना के जहाज केसरी ने हाल ही में मापुटो, मोजाम्बिक के बंदरगाह में प्रवेश किया है। चल रहे सूखे और महामारी की समवर्ती चुनौतियों से निपटने के लिए मोजाम्बिक का समर्थन करने के लिए आईएनएस केसरी अपने साथ 500 टन खाद्य सहायता लेकर पहुंचा है। इसके अलावा यह मोजाम्बिक के सशस्त्र बलों को सौंपने के लिए दो फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट और आत्मरक्षा उपकरण भी लेकर पहुंचा है।

इन प्रयासों को छोटे द्वीप राष्ट्रों को मानवीय राहत प्रदान करने के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। हालांकि हिंद महासागर में इन देशों की भू-रणनीतिक स्थिति को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है, खासकर इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते हस्तक्षेप को देखते हुए। ये मिशन इस 'क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास' के भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप भी हैं। उनकी मुख्य उपलब्धि हिंद महासागर क्षेत्र के विभिन्न राष्ट्रों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करना है। इन मिशनों की प्रासंगिकता तब सामने आती है जब इन्हें भारत की अन्य समुद्री क्षेत्र को प्रभावित करने वाली नीतियों के साथ संयोजन में देखा जाता है, जैसे एक्ट ईस्ट पॉलिसी, प्रोजेक्ट सागरमाला, प्रोजेक्ट मौसम, ब्लू इकोनॉमी पर ध्यान केंद्रित करना आदि।

